an>

Title: Regarding development of tourism in Sidhi Parliamentary Constituency of Madhya Pradesh.

श्रीमती रीती पाठक (सीधी) : महोदया, आज मैं अपने क्षेत्र के पर्यटन के विषय को यहाँ पर रखने जा रही हूँ और आपने मुझे अवसर प्रदान किया, इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करती हूँ। पर्यटन क्षेत्र को विकसित होने के लिए दो आधारभूत कारणों की आवश्यकता होती है। एक तो वह महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल होना चाहिए और दूसरा अनुपम प्राकृतिक सौन्दर्य होना चाहिए। मेरा संसदीय क्षेत्र जहाँ पर आता है, वह क्षेत्र विंध्य क्षेत्र के नाम से जाना जाता है। विंध्य क्षेत्र सौभाग्यशाली है कि ये दोनों कारण उसमें उपस्थित हैं।

महोदया, बाकी बातों की बात तो मैं नहीं करूँगी, क्योंकि विंध्य क्षेत्र में कई सारे पर्यटन स्थल हैं और मध्य प्रदेश सरकार ने उनको विकसित करने के लिए वहाँ पर बेहद प्रयास भी किया है। परन्तु आज मेरा यह विषय रखने का सिर्फ एकमात्र कारण यह है कि आपके माध्यम से मैं केन्द्र सरकार के पर्यटन मंत्री जी को यह आकृष्ट कराना चाहती हूँ कि मेरे सीधी जिले में, चंद्रेय में भगवान शिव का प्राचीन मन्दिर है। इस मंदिर को 972 ईस्वी में बनाया गया था और इस मंदिर को केन्द्र सरकार द्वारा संरक्षण भी प्राप्त है। यहाँ सोन व बनास नदी का संगम स्थल है जो अत्यंत खूबसूरत प्राकृतिक स्थल है। ऐसी मान्यता है कि संगम स्थल में गाय हिरण व शेर एक साथ पानी पिया करते थे। मेरा कहने का तात्पर्य यह है कि यह ऐसी अद्भुत तपस्थली है जहाँ पूर्णतः अहिंसा स्थापित थी। इस स्थान की सबसे बड़ी पहचान है कि प्रथम गद्य साहित्य कादम्बरी की रचना महाकवि बाणभट्ट ने यहीं पर की थी। परन्तु दुर्भाग्यवश इस पवित्र स्थल को उस प्रकार से महत्व नहीं मिल पाया। इस पवित्र स्थल को महत्वपूर्ण बनाने के लिए मैं आग्रह करती हूँ कि पर्यटन मंत्री जी इस पर विशेष ध्यान दें।

अध्यक्ष महोदया, मेरे सीधी जिले में घोघरा ग्राम है जहाँ माँ चण्डी का अत्यंत भव्य मंदिर है। यह बीरबल की जन्मस्थली है। उनकी बुद्धिमत्ता के उदाहरण तो आज तक हम सभी चर्चा में लेते हैं परन्तु इस पवित्र स्थल को हम भूल गए, यह हमारे लिए भी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है।

अध्यक्ष महोदया, सिंगरौली जिला जो मेरे लोक सभा संसदीय क्षेत्र में स्थित है, यहाँ सोन घड़ियाल जैसे अभयारण्य भी हैं, अमाणा की गुफाएँ हैं। भगवान विष्णु के चतुर्भुज स्वरूप की प्रतिमा भी है और कई अभयारण्य पर्यटन स्थल यहाँ पर हैं जिन्हें बढ़ावा देने के विशेष महत्वपूर्ण विषय की ओर मैं सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना चाहूँगी। मैंने पहले भी कहा कि विंध्य क्षेत्र में आने वाला मेरा संसदीय क्षेत्र जिसमें मध्य प्रदेश सरकार ने अपना योगदान बेहद महत्वपूर्ण तरीके से दिया है, आपके माध्यम से मैं चाहती हूँ कि केन्द्र सरकार की मदद भी मेरे क्षेत्र के लिए मिले। धन्यवाद।

HON. SPEAKER:

Shri Bharion is permitted to associate with the issue raised by Shrimati Riti Pathak.